समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

मुंबई हमले पर चिदंबरम के बयान को अनदेखा नहीं किया जा सकता, मनीष तिवारी ने बढ़ाई कांग्रेस की मुश्किल

Publisher

Published on 03 Oct 2025

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम के मुंबई हमले को लेकर दिए गए बयान ने पार्टी के लिए एक बार फिर मुश्किल खड़ी कर दी है। चिदंबरम ने कथित रूप से कहा था कि 2008 के मुंबई हमले के बाद पाकिस्तान पर कार्रवाई को अमेरिकी दबाव और कूटनीतिक विचारों के कारण रोका गया था। उन्होंने अपने बयान में यह भी बताया कि उस समय विदेश मंत्रालय ने इस मामले में कूटनीति को प्राथमिकता दी थी।

इस बयान के बाद कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और राजनीतिक विशेषज्ञों ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं। पार्टी के पूर्व सांसद और वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चिदंबरम के कथन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुंबई हमले जैसी संवेदनशील घटना पर दिए गए बयान का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर असर पड़ सकता है। मनीष तिवारी के मुताबिक, यह मामला सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं है बल्कि इसमें देश की सुरक्षा और विदेश नीति के दृष्टिकोण से भी कई सवाल खड़े होते हैं।

विश्लेषकों का कहना है कि चिदंबरम का बयान कांग्रेस के लिए चुनौती बन सकता है क्योंकि पार्टी पहले ही मुंबई हमले और सुरक्षा मामलों में अपने रुख को लेकर आलोचनाओं का सामना कर चुकी है। अब उनके इस बयान के चलते पार्टी को जवाब देना पड़ सकता है कि क्या चिदंबरम की राय व्यक्तिगत है या यह कांग्रेस की आधिकारिक नीति का प्रतिनिधित्व करती है।

चिदंबरम के बयान ने मीडिया और सोशल मीडिया पर भी हलचल मचा दी है। कई वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या सच में पाकिस्तान पर कार्रवाई रोकने में अमेरिका का दबाव था या यह सिर्फ चिदंबरम की व्यक्तिगत राय थी। इस मुद्दे ने कांग्रेस की छवि को भी प्रभावित किया है, क्योंकि पार्टी को बार-बार सुरक्षा मामलों में आलोचना झेलनी पड़ती रही है।

मनीष तिवारी ने कहा कि किसी भी वरिष्ठ नेता का बयान यदि संवेदनशील मुद्दे जैसे मुंबई हमले पर है, तो उसका विश्लेषण और जांच करना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को इस बयान के राजनीतिक और कूटनीतिक प्रभाव को गंभीरता से लेना चाहिए। उनके अनुसार, मुंबई हमले के बाद की घटनाओं और निर्णयों की पूरी जानकारी जनता और पार्टी के सदस्यों तक पहुंचना आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसे बयान से राजनीतिक नुकसान न हो।

विशेषज्ञों का मानना है कि चिदंबरम का बयान सिर्फ कांग्रेस के लिए आंतरिक विवाद ही नहीं बढ़ा सकता बल्कि विपक्षी दलों के लिए भी अवसर प्रदान कर सकता है। विपक्ष इस बयान का इस्तेमाल करके कांग्रेस पर आरोप लगा सकता है कि पार्टी ने राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मामलों में गंभीरता नहीं दिखाई। इसके चलते राजनीतिक माहौल में नए बहस के मुद्दे सामने आ सकते हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने मीडिया से कहा कि पी. चिदंबरम ने जो बयान दिया है वह उनके व्यक्तिगत विचार हैं और पार्टी की आधिकारिक नीति का प्रतिनिधित्व नहीं करता। हालांकि, मनीष तिवारी और कुछ अन्य नेताओं की राय यह है कि व्यक्तिगत बयान भी पार्टी के लिए जिम्मेदारी के मामले बन जाता है, विशेषकर जब बात देश की सुरक्षा और आतंकवाद जैसी गंभीर घटनाओं की हो।

देश के कई सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के बयान से कूटनीतिक संबंधों और विदेश नीति पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अगर यह बात विदेशों तक पहुँचती है तो भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए नेताओं को अपने बयानों में सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

कुल मिलाकर, मुंबई हमले को लेकर पी. चिदंबरम का बयान कांग्रेस के लिए एक नई चुनौती बन गया है। पार्टी को अब यह स्पष्ट करना होगा कि यह बयान व्यक्तिगत है या पार्टी की नीति का हिस्सा है। साथ ही, कांग्रेस को अपने वरिष्ठ नेताओं के बयानों को नियंत्रित करने और स्पष्ट दिशा देने की आवश्यकता है, ताकि राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से नुकसान न हो।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.